प्रतिबिम्ब

A Monthly E-Newsletter of Rana Pratap PG College Sultanpur

वर्ष– 01 अंक– 02 दिसम्बर 2023

RANA PRATAP POST GRADUATE COLLEGE SULTANPUR
CIVIL LINES-1, SULTANPUR-228001 (U.P.)
(Affiliated : Dr. Ram Manohar Lohiva Avadh University, Ayodhya)
www.rppgcollege.ac.in

संरक्षक

एडवोकेट संजय सिंह अध्यक्ष | एडवोकेट बालचंद्र सिंह प्रबंधक | प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि'
अस्सिटेंट प्रोफेसर हिन्दी

सह सम्पादक

डॉ महमूद आलम
विभागाध्यक्ष उर्दू

डॉ मंजू ठाकुर
असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति

प्रमोद श्रीवास्तव
प्रभारी कम्प्यूटर सेंटर

प्रतिनिधि

डॉ संतोष कुमार सिंह (अंश)
शिक्षा संकाय

चौरसिया गोरखनाथ
विज्ञान संकाय

डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह
कला संकाय

यशस्वी प्रताप सिंह
वाणिज्य संकाय

विद्यार्थी प्रतिनिधि

शिक्षा संकाय
सत्येन्द्र शुक्ल
(बीएड द्वितीय वर्ष)
अंशिका सिंह
(बीएड प्रथम वर्ष)
कला संकाय
रिया श्रीवास्तव
(बीए पंचम सेमेस्टर)
प्रतिमा मिश्र
(बीए प्रथम सेमेस्टर)

विज्ञान संकाय
अनुराग यादव
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
अनुपमा वर्मा
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
लक्ष्मी सिंह
(बीएससी प्रथम सेमेस्टर)
वाणिज्य संकाय
आयुष मिश्रा
(बीकाम तृतीय सेमेस्टर(

रचनायें / विचार/ समाचार / फोटो आदि भेजने का पता -

rppgcollegenewsletter@gmail.com

- लिखित सामग्री यूनीकोड या मंगल फांट में ही टाइप कर के भेजें। लिखित सामग्री फोटो, जेपीजी, पीडीएफ आदि में स्वीकार नहीं की जायेगी।
- News Letter के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी / समस्या / सुझाव आदि के लिए अपने संकाय प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पादकीय

प्रधान सम्पादक

यह परीक्षाओं का समय है इसको लेकर किसी भी तरह के तनाव में न रहें। जिस तरह नकारात्मक सोच आपके आने वाले समय को नकारात्मक कर देती है उसी तरह सकारात्मक सोच आपके आने वाले समय को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है । परीक्षा खराब होगी यह सोचने से अच्छा है यह सोचें कि परीक्षा बहुत अच्छी होगी। मेरे बहुत अच्छे अंक आएंगे। ऐसा सोचने भर से आपके अंदर आत्मविश्वास जग जायेगा। तनाव हमेशा निराशा पैदा - करता है। आपको अपनी परीक्षा के बारे में आशावादी होना चाहिए। इसका मतलब है कि परीक्षा में अपनी सफलता के बारे में सोचें। परीक्षा में असफल होने के बारे में कभी न सोचें । आप यह सोचकर खुद को प्रोत्साहित कर सकते हैं कि आप एक अच्छे विद्यार्थी हैं और आसानी से परीक्षा में अच्छा स्कोर करेंगे ।

विद्यार्थी जीवन हर किसी के जीवन का एक यादगार समय होता है । विद्यार्थियों और देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम कैसे विद्यार्थी हैं। अतसही मार्गदर्शन : प्राप्त करना आवश्यक है। विद्यार्थी जीवन हमारे जीवन की नींव बनाता है । कमजोर नींव किसी इमारत को खड़ा नहीं कर सकती। इसलिए शैक्षणिक रूप से मजबूत होने के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और रचनात्मक रूप से भी मजबूत बनने की जरूरत है। प्रतिबिम्ब का उद्देश्य यही है।इस माध्यम से हम महाविद्यालय परिसर की अकादमिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के साथ ही महाविद्यालय में छिपी रचनात्मक प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना चाहते हैं। इस हेतु आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

प्रतिबिम्ब के पहले अंक को लेकर आप सबकी प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक रही । इसकी चर्चा महाविद्यालय के बाहर भी खूब हुई । सबने इस अंक को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर अत्यधिक शेयर भी किया है। उम्मीद है आपका यह उत्साह हर अंक के साथ बना रहेगा ।

15 दिसंबर 2023

News & Events

दो दिवसीय क्रीड़ा समारोह में हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अट्ठाईस व उनतीस नवम्बर को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह हुआ। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । पहले दिन क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह ने महाराणा प्रताप व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन तथा मशाल जलाकर समारोह का उद्घाटन किया। पहले दिन हुई छः प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

सौ मीटर दौड़ बालिका वर्ग में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की वर्तिका सिंह प्रथम , एम ए समाजशास्त्र की सुमित्रा यादव द्वितीय तथा बीएससी प्रथम सेमेस्टर की रोशनी यादव तृतीय स्थान पर रहीं। सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में बीए पंचम सेमेस्टर के नारेंद्र यादव प्रथम बीए तृतीय सेमेस्टर के नसीमुद्दीन द्वितीय तथा बीए प्रथम सेमेस्टर के अनिल कुमार तृतीय स्थान पर रहे। चार सौ मीटर दौड़ बालिका वर्ग में बीए प्रथम सेमेस्टर की शालू प्रथम बीए प्रथम सेमेस्टर की नीलाक्षी सिंह द्वितीय तथा बीए प्रथम सेमेस्टर की खुशबू बौद्ध तृतीय स्थान पर रहीं। चार सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में बीए प्रथम सेमेस्टर के कपिल यादव प्रथम बीए प्रथम सेमेस्टर के अमरेन्द्र यादव द्वितीय तथा बीए तृतीय सेमेस्टर के अंकित यादव तृतीय स्थान पर रहे।

भाला फेंक बालक वर्ग में बीएड द्वितीय वर्ष के आलोक कुमार शर्मा ने लगभग सैंतालीस मीटर भाला फेंक कर पहला स्थान बीए प्रथम सेमेस्टर के अनिल कुमार ने लगभग तिरालीस मीटर भाला फेंक कर द्वितीय स्थान व बीए तृतीय सेमेस्टर के दीपक पाल ने लगभग अड़तीस मीटर भाला फेंक कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक बालिका वर्ग में बीएड द्वितीय वर्ष की रेणुका सिंह लगभग तेईस मीटर भाला फेंक कर प्रथम बीएससी प्रथम सेमेस्टर की रोशनी यादव इक्कीस मीटर भाला फेंक कर द्वितीय तथा बीए प्रथम सेमेस्टर की आकृति सिंह लगभग अठारह मीटर भाला फेंक कर तृतीय स्थान पर रहीं।

गोला फेंक बालिका वर्ग में बीएड द्वितीय वर्ष की रेणुका सिंह आठ मीटर फेंक कर प्रथम बीएससी पंचम सेमेस्टर की अनुपमा वर्मा साढे सात मीटर फेंक कर द्वितीय तथा बीए तृतीय सेमेस्टर की विभू तिवारी सात मीटर फेंक कर तृतीय स्थान पर रहीं। गोला फेंक बालक वर्ग में बीएससी तृतीय सेमेस्टर के रंजीत सवा बारह मीटर फेंक कर प्रथम बीएड द्वितीय वर्ष के सत्येन्द्र शुक्ल पौने बारह मीटर फेंक कर द्वितीय तथा बीएड द्वितीय वर्ष के आलोक कुमार शर्मा साढ़े ग्यारह मीटर फेंक कर तृतीय स्थान पर रहे।

लम्बी कूद बालक वर्ग में बीए प्रथम सेमेस्टर के अनिल कुमार प्रथम)5.20 मीटर) बीए पंचम सेमेस्टर के नारेंद्र यादव द्वितीय (5 मीटर ( ) तथा बीए तृतीय सेमेस्टर के नसीमुद्दीन तृतीय4.98 मीटर स्थान पर (रहे। लम्बी कूदबालिका वर्ग में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की निधि पाल प्रथम)3.37 मीटर बीएससी प्रथम सेमेस्टर की रोशनी यादव द्वितीय ( )3 मीटर) तथा एम ए प्रथम सेमेस्टर की सुमित्रा यादव तृतीय (2.83 मीटर रहीं। (

News & Events

इस अवसर पर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष शुभ नारायण सिंह, प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ साथ प्राध्यापकों के बीच हुई रस्साकसी काफी आकर्षक रही। पंद्रह सौ मीटर दौड़ प्रतियोगिता केवल बालक वर्ग के बीच हुई। जिसमें बीए प्रथम सेमेस्टर के प्रभाकर प्रथम प्रभात द्वितीय तथा बीए तृतीय सेमेस्टर के अंकित तृतीय स्थान पर रहे। दो सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में बीए तृतीय सेमेस्टर के अंकित चौरसिया प्रथम बीए प्रथम सेमेस्टर के अंश चौरसिया द्वितीय व अनिल कुमार तृतीय रहे। दो सौ मीटर दौड़ बालिका वर्ग में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की वर्तिका सिंह प्रथम एम ए प्रथम सेमेस्टर की सुमित्रा यादव द्वितीय तथा बीए प्रथम सेमेस्टर की आंचल कोरी तृतीय स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो बालक वर्ग में बीए प्रथम सेमेस्टर के (चक्का फेंक) अनिलकुमार प्रथम)26 मीटर (,अंश चौरसिया द्वितीय)23.5 मीटर) व बीए पंचम सेमेस्टर के पंकज कुमार तृतीय (22.5 मीटर रहे। (बालिका वर्ग में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की (चक्का फेंक) डिस्कस थ्रो) निधि पाल प्रथम10.64 मीटर (, बीए प्रथम सेमेस्टर की आंचल कोरी द्वितीय)10.25 मीटर व बीएससी प्रथम सेमेस्टर की रोशनी ( ) यादव तृतीय10.18 मीटर रहीं। (

दो सौ मीटर रिले रेस में अंश , अंकित, पंकज व नारेंद्र की टीम प्रथम बलराम ,निखिल , नसीमुद्दीन व रंजीत की टीम द्वितीय तथा सचिन , अनिल कुमार ,दीपक व अंकेश की टीम तृतीय स्थान पर रही ।

प्राध्यापक पुरुष उम्र)45वर्ष तक बृजेश .गोला फेंक प्रतियोगिता में डॉ (सिंह प्रथम, डॉयशमंत सिंह तृतीय रहे। .ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह द्वितीय व डॉ. उम्र) प्राध्यापक पुरुष45 वर्ष से ऊपर गोलाफेंक प्रतियोगिता में प्रोफेसर (शैलेन्द्र प्रताप सिंह प्रथम प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी द्वितीय तथा डॉप्रभात कुमार श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहे।. महिला प्राध्यापकों की गोला फेंक प्रतियोगिता में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल प्रथम , डॉअंजना सिंह त.प्रीति प्रकाश द्वितीय व डॉ.ृतीय स्थान पर रहीं। कर्मचारी वर्ग गोलाफेंक प्रतियोगिता में विजय बहादुर सिंह प्रथम, धीरेंद्र मिश्र द्वितीय व आदित्य सिंह तृतीय रहे। प्राध्यापक रस्साकसी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रोफेसर शैलेन्द्र प्रताप सिंह व असिस्टेंट प्रोफेसर शिशिर कुमार श्रीवास्तव की टीम में कड़ा मुकाबला रहा । जिसमें प्रोफेसर शैलेन्द्र की टीम विजयी रही। महिला वर्ग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल व बीएड विभागाध्यक्ष डॉ भारती सिंह की टीम को कड़े मुकाबले के बाद संयुक्त विजेता घोषित किया गया। विशेष सहयोग हेतु मीडिया प्रभारी ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि , डॉअखिलेश सिंह., डॉविभा सिंह., डॉप्रीति प्रकाश., डॉनीतू सिंह., डॉवीना सिंह., डॉसंतोष कुमार सिंह अंश व ज्योति श्रीवास्तव . को स्मृति चिन्ह व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

निर्णायक मंडल में प्रोफेसर शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉआलोक वर्मा., डॉबृजेश सिंह., डॉयशवंत सिंह.,वीरेंद्र गुप्त , क्रीड़ा सचिव बृजेश कुमार सिंह व सर्वेश सिंह शामिल रहे।

संचालन डॉ अमित कुमार तिवारी व डॉ प्रभात कुमार.श्रीवास्तव ने तथा आभार ज्ञापन क्रीड़ा समन्वयक बृजेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर खिलाड़ियों व आयोजन से जुडे लोगों को स्मृति चिन्ह , सम्मान पत्र व मेडल आदि देकर पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह , प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत उपस्थित अतिथियों ने सभी को सम्मानित करते हुए उत्साह वर्धन किया ।

News & Events

कामर्स फेस्टिवल में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

'प्रतियोगिताएं हमारा व्यक्तित्व निखारती हैं। कालेज फेस्टिवल से विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है ।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं। वह पचीस नवम्बर को महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित कामर्स फेस्टिवल को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। स्वागत संकायाध्यक्ष डॉविवेक सिंह व आभार . ओम .ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर यशस्वी प्रताप सिंह ने किया। डॉ भास्कर सिंह, डॉरमाकांत तिवारी व बृजेश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों. का मार्गदर्शन किया। समारोह के दौरान भाषण प्रतियोगिता में बीकाम प्रथम सेमेस्टर के नमन सिंह प्रथम व बीकाम तृतीय सेमेस्टर की खुशी सिंह को द्वितीय स्थान मिला। बिजनेस क्विज प्रतियोगिता में बीकाम प्रथम सेमेस्टर के महक,अंजली, कशक व कोमल का समूह प्रथम तथा बीकाम तृतीय सेमेस्टर के संध्या, खुशबू, ऐश्वर्या व शगुन के समूह द्वितीय रहा। रंगोली प्रतियोगिता में बीकाम पंचम सेमेस्टर की पूनम प्रथम तथा इसी कक्षा की सुनीता द्वितीय रहीं।समूह पोस्टर प्रतियोगिता में अंजलि ,महक , कसक , खुशी, प्रियांशु ,पूनम , प्रशांत का समूह प्रथम तथा ऐश्वर्या,साहिल व वंशिका का समूह द्वितीय रहा। बिजनेस गेम में बीकाम प्रथम सेमेस्टर की शिवांगी सिंह प्रथम व बीकाम तृतीय सेमेस्टर के सुरजीत द्वितीय रहे। गायन प्रतियोगिता में बीकाम तृतीय सेमेस्टर की आयुष मिश्र प्रथम व इसी कक्षा की मांडवी तिवारी द्वितीय रहीं। समूह नृत्य प्रतियोगिता में बीकाम प्रथम सेमेस्टर की महक ,कसक , अंजली का समूह प्रथम व बीकाम पंचम सेमेस्टर के शिवाकांत , विपिन, महक निषाद ,कमल व कहकशां को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। प्राचार्य व शिक्षकों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया ।

बी एड विभाग द्वारा फ्रेशर्स पार्टी एवं द्वितीय वर्ष का विद्यालय शिक्षण अभ्यास प्रतियोगिता संपन्न हुई

बी एड विभाग द्वारा नवनवप्रवेशी विद्यार्थियों हेतु परिचय एवं निर्देशन सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य प्रो निशा सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ भारती सिंह, मैडम शांतिलता कुमारी, डॉ सीमा सिंह, उपस्थित रहे। इसमें विद्यार्थियों और विभाग का परिचय हुआ साथ ही विभागाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को निर्देशन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ संतोष अंश ने किया। बी एड विभाग द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का विद्यालय शिक्षण अभ्यास एम जी एस इंटरमीडिएट कॉलेज और श्री धनंजय सिंह मेमोरियल हाई स्कूल में विभागीय पर्यवेक्षकों की देखरेख में संपन्न हुआ। बीएड विद्यार्थियों द्वारा दोनो विद्यालय में एचीवमेंट टेस्ट, निबंध प्रतियोगिता हुई। एमजीएस के कक्षा 6, 7, 8 के बच्चों के सहयोग से दीपावली के उपलक्ष्य में दीपावली प्रदर्शनी लगाई गई।

अर्थशास्त्र विभाग ने आयोजित की विद्यार्थी संगोष्ठी

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने 24 नवंबर को भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान प्रवृत्तियां विषय पर विद्यार्थी संगोष्ठी आयोजित की । संगोष्ठी में विचार रखते हुए छात्रा आवृत्ति पाठक ने कहा कि विभिन्न संकेतकों के संदर्भों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था आज प्रगति के मार्ग पर है। कोमल कनौजिया ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। शुभम यादव ने बताया कि भारत चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विभागाध्यक्ष डॉ धीरेंद्र कुमार ने दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कुछ कमियों को दूर कर भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में अग्रणी हो सकती है। संचालन बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा शिखा तिवारी ने किया। खुशबू, श्रद्धा, दीपशिखा,नयना वर्मा, अनन्या,विमल अग्रहरि , नीरज, हेमंत व वैशाली आदि ने अपने विचार रखे।

News & Events

चित्रकूट का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कर वापस लौटे एम ए संस्कृत के विद्यार्थी

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय संस्कृत विभाग के परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का समूह चित्रकूट के दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के बाद तेरह नवम्बर को वापस लौटा ।विद्यार्थी नीलमणि ने कहा कि अब तक पुस्तकों एवं जनश्रुति के माध्यम से ही हमने इस पौराणिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन केंद्र के बारे में जाना था । यहां आकर अनेक स्थलों को प्रत्यक्ष देखना अत्यधिक रोमांचकारी एवं उत्साहवर्धक रहा। छात्रा अंजलि ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि वनवासी राम से जुड़े इस पवित्र तीर्थ का अवलोकन हमारे ज्ञानवृद्धि के साथ ही दृष्टिकोण भी बदलने वाला रहा।विभागाध्यक्ष डॉ. अमित तिवारी ने बताया कि भ्रमण के पहले दिन विद्यार्थियों ने विंध्य रेंज की पहाड़ी पर हनुमान धारा की चढ़ाई की । सीता रसोई का दर्शन करने के बाद जानकी कुंड आये। यहां प्राकृतिक औषधियों का अनुसन्धान केंद्र आरोग्यधाम पहुंच कर छात्रों ने अनेकों जानकारी प्राप्त की। छात्र वैभव , उदयराज व अवनीश ने बताया कि सायं काल राम दर्शन व राम घाट पर मंदाकिनी नदी में नौका विहार का लुत्फ उठाते हुए विद्यार्थी दिव्य आरती में शामिल हुए। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.नीतू सिंह व डॉ.वीना सिंह ने बताया कि दूसरे दिन शहर से 18 किमी दूर विंध्य पर्वतमाला में दो बन्द गुफाओं से प्रवाहित गुप्त गोदावरी का रहस्यमयी प्राकृतिक रूप विद्यार्थियों को अत्यधिक मनमोहक और आकर्षक लगा। छात्रा श्रद्धा व प्राची ने कहा कि अनुसुइया आश्रम का दर्शन करने के बाद हमने प्रकृति के सुरम्य वातावरण में निर्मित ग्रामोदय विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। आंचल व जया ने बताया कि कामतानाथ का दर्शन कर हम लोगों ने मानवसृंखला बनाकर कामदगिरि पर्वत की 5 किमी परिक्रमा की । असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. यशमंत सिंह ने बताया कि नगर स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्विद्यालय का विजिट कर विद्यार्थियों ने वहां के अंतेवासी छात्रों से संवाद किया। इस विशिष्ट शिक्षा केंद की महत्ता एवं अनुभव से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

टेक्नोस्पीक प्रतियोगिता में प्रथम रहीं मुस्कान सिंह, मांडवी तिवारी को द्वितीय व आयूष मिश्र को तृतीय स्थान

- संस्कृति मंत्रालय का आयोजन संस्कृति मंत्रालय के सेंटर फार एडवांस रिसर्च ऑन डेवलपमेंट ऐंड चेंज एवं यूथ फॉर नेशन द्वारा क्रांतितीर्थ शृंखला के अंतर्गत बाइस नवंबर को राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में '2047 का भारत मेरी परिकल्पना' विषय पर टेक्नोस्पीक प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें बीए पंचम सेमेस्टर की मुस्कान सिंह प्रथम , बीकाम की मांडवी तिवारी द्वितीय और आयुष मिश्र तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल के संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने पुरस्कारों की घोषणा करते हुए कहा कि 2047 में भारत तब विकसित हो पायेगा जब हम 1947 में देखे गये सपनों को पूरा कर पायेंगे। प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ,आईक्युएसी निदेशक इन्द्रमणि कुमार, टेक्नो स्पीक के राष्ट्रीय समन्वयक सूरज सिंह ने निर्णायकों,विद्यार्थियों व अतिथियों को स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर पुरस्कृत किया। निर्णायक मंडल में असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि , डॉ.नीतू सिंह व मनीष कुमार पाण्डेय शामिल रहे।

मशरुम कल्टीवेशन

कॉलेज में वोकेशनल कोर्स के तहत BSc के बच्चों को मशरुम कल्टीवेशन सिखाया जा रहा है । बच्चों की कड़ी मेहनत के फलस्वरूप दिसंबर महीने से मशरुम का उत्पादन शुरु हुआ है। विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ.शिशिर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि बच्चे अपना रोजगार खुद पैदा कर सकें और आत्मनिर्भर बनें।

News & Events

ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को मिली पीएचडी

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हिन्दी विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है । ज्ञानेन्द्र ने प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे व डॉ.किंगसन सिंह पटेल के निर्देशन में हिन्दी उपन्यासों में पूर्वोत्तर भारत विषय पर शोध कार्य किया है । अमेठी जिले के गौरीगंज तहसील में उमराडीह गांव के पूरे जालिम सिंह निवासी बैजनाथ सिंह व गीता सिंह के पुत्र ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने स्नातक व परास्नातक की पढ़ाई राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय से ही की थी। जेआरएफ उत्तीर्ण करके वे शोध करने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय चले गए। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह, प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी व विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार समेत महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता जताई है ।

सेंड माडल पर समझाया झेलम युद्ध का इतिहास

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ हीरालाल यादव ने पचीस नवम्बर को सेंड माडल पर विद्यार्थियों को झेलम युद्ध का इतिहास समझाया। डॉ हीरालाल ने बताया कि 326 ईसा पूर्व झेलम नदी के तट पर सिकंदर और पोरस का युद्ध हुआ था । जिसमें अपनी गलत युद्ध नीति के कारण पोरस पराजित हुआ था। रक्षा अध्ययन विषय के विवेक कुमार निषाद,शुभम यादव ,खुशी रावत, प्रिया गुप्ता, संजना आदि विद्यार्थियों ने झेलम युद्ध की बारिकियों को सेंड माडल पर समझा।

रसायन विज्ञान विभाग की वाद विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने नौ दिसंबर को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया । परमाणु कक्षाओं में संकरण विषय पर आयोजित इस वाद विवाद प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की लक्ष्मी को प्रथम स्थान साकिब को द्वितीय तथा सत्यम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महिला प्रकोष्ठ ने आयोजित किया स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

सेनेटरी पैड का उपयोग करने के बाद अगर उसका सही निस्तारण न हो तो उससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विभा सिंह ने कहीं। वह आठ दिसम्बर को महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रही थीं। विशिष्ट अतिथि डॉ.वीना सिंह ने सेनेटरी नैपकिन के उपयोग और निस्तारण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षता करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल ने कहा कि छात्राओं को अपने स्वास्थ्य और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। अपनी समस्याओं को बिना किसी संकोच के बताना चाहिए। प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । स्वागत डॉ.नीतू सिंह,आभार डॉ.अंजना सिंह व संचालन डॉ.प्रीति प्रकाश ने किया। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.शालिनी सिंह,ज्योति सक्सेना के साथ ही सुभाषिनी, संध्या, महक, अंशिका आदि छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

समाजशास्त्र विभाग ने आयोजित की निबंध प्रतियोगिता

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ.भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर छः दिसम्बर को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'डॉ.भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक विचार' विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में एम ए प्रथम सेमेस्टर की गीता निषाद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बीए तृतीय सेमेस्टर की शिल्पी तिवारी को द्वितीय तथा एम ए तृतीय सेमेस्टर की शिवानी शुक्ल को तृतीय स्थान हासिल हुआ। प्रतियोगिता संयोजक वीरेंद्र गुप्त ने बताया कि सभी विजेताओं को विभागाध्यक्ष डॉ.एम पी.सिंह द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

निर्णायक मंडल में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अखिलेश सिंह, डॉ.बृजेश सिंह, डॉ.शालिनी सिंह व बृजेश कुमार सिंह शामिल रहे।

News & Events

राणा प्रताप विधि महाविद्यालय का हुआ शुभारंभ

क्षत्रिय शिक्षा समिति द्वारा संचालित राणा प्रताप पी जी कॉलेज, महात्मा गाँधी स्मारक इंटरमीडिएट कॉलेज व श्री धनञ्जय सिंह मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल की कड़ी में राणा प्रताप विधि महाविद्यालय नाम से एक नई कड़ी जुड़ गई । 5 दिसम्बर को इसका शुभारंभ हुआ । यह महाविद्यालय कूरेभार में स्थापित है। क्षत्रिय एजुकेशन एसोशिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह , सचिव रमेश सिंह टिन्नू, प्रबधंक बाल चंद्र सिंह, प्राचार्य प्रो डी के त्रिपाठी, एमजीएस के प्रबंधक प्रो विनोद सिंह, प्रधानचार्य महेश सिंह, उत्कर्ष सिंह, देवांश सिंह आदि द्वारा विधिवत पूजन कर राणा प्रताप विधि महाविद्यालय का शुभारंभ हुआ।

Seminar

कवि त्रिलोचन की पुण्यतिथि पर हुई संगोष्ठी

'त्रिलोचन के काव्य में हमें गांव की खुशबू मिलती है । साथ ही किसान और मजदूरों का दर्द भी सुनाई देता है । उनकी कविता में आम आदमी के जीवन के विविध रंग दिखते हैं। देश भर में भ्रमण करने वाले त्रिलोचन का मन सुलतानपुर की लोक संस्कृति से गहराई से जुड़ा था ।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहीं। वह नौ दिसंबर को कवि त्रिलोचन की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित विद्यार्थी संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार ने कहा कि अवध के लोक जीवन की जानकारी त्रिलोचन की कविता से हो जाती है। उनकी भाषा सहज और बोधगम्य है। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल ने बताया कि त्रिलोचन आधुनिक हिन्दी कविता में सानेट के जन्मदाता हैं। प्रगतिशील काव्य धारा के तीन प्रमुख कवियों में उनका नाम विशेष है। स्वागत व आभार डॉ.विभा सिंह तथा संचालन डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।संगोष्ठी में इन्द्रकुमार भारती, आकांक्षा सिंह, आशुतोष पाण्डेय, वैभव आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए

मानवाधिकारों की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी - प्राचार्य

'हम केवल अपने अधिकारों के प्रति ही नहीं वरन दूसरों के अधिकारों के प्रति भी सजग रहें तो मानवाधिकारों की रक्षा हो जायेगी। मानवाधिकारों की रक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं । वह बारह दिसंबर को महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में राजनीति विज्ञान विभाग व राणा प्रताप विधि महाविद्यालय कूरेभार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मानवाधिकार संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर एम पी सिंह ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति मानव अधिकारों के प्रति हमेशा सचेत रही है।सामाजिक न्याय और मानवाधिकार एक दूसरे के पूरक हैं। उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने कहा कि मानवाधिकार भारत की संस्कृति में रचा बसा है। यह आज की बिडम्बना है कि मानवाधिकार का हनन करने वाले ही इसको संरक्षित करने की बात करते हैं।

राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.आलोक पाण्डेय ने कहा कि हमारे सर्वांगीण विकास के लिए जो कुछ भी आवश्यक है वह हमारा अधिकार है। किसी के भी अधिकार का हनन हो रहा हो तो चुप न बैठें क्यों कि इसका मतलब यह है कि भविष्य में आपके अधिकारों पर भी संकट खड़ा होगा । संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजू ठाकुर और आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ अभय सिंह ने किया। संगोष्ठी में विद्यार्थियो ने भी अपने विचार रखे। बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशी ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। एम ए के छात्र पार्थ सारथी द्विवेदी ने कहा कि राम राज्य की कल्पना मानवाधिकार से ही प्रेरित है। जन्म से समान पैदा होने के बाद भी विभिन्न तरह के भेदभाव मानवता पर बड़ा संकट है । बीए पंचम सेमेस्टर के दीपांशु मौर्य ने कहा कि हमें खुद ही मानवाधिकारों की चिंता करनी होगी। बीए प्रथम सेमेस्टर की सृष्टि सिंह ने कहा कि आज सबसे बड़ा संकट महिलाओं के अधिकार पर है । द्वितीय सत्र में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को एल एल बी करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले रोजगार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Research

Research work Published in Scopus Indexed Research Journal 'Transactions' of IIG, Pune

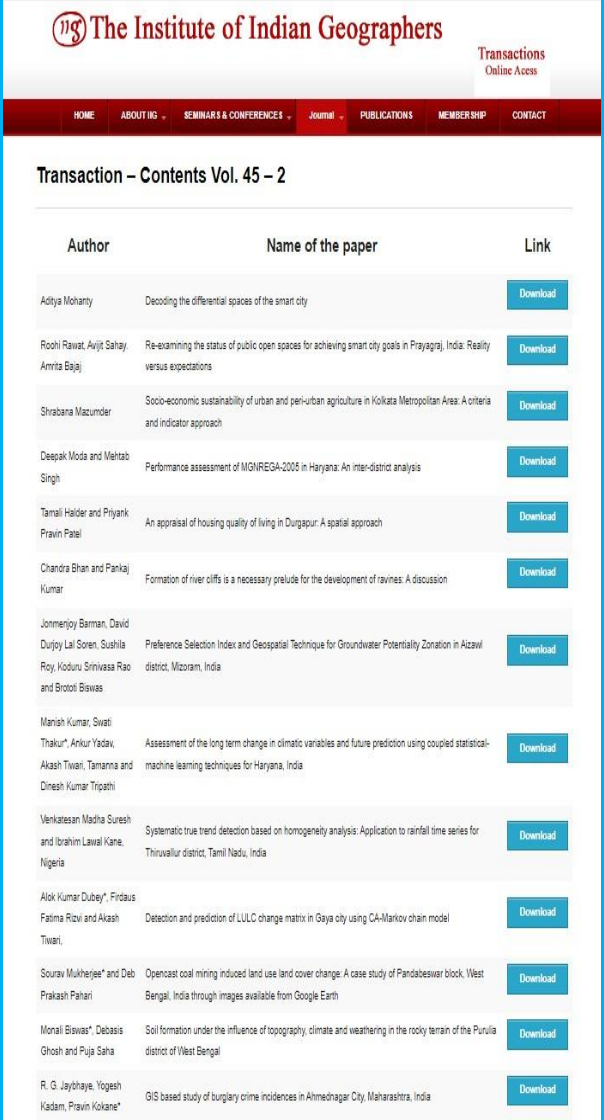

The Institute of Indian Geographers

Transactions Online Acess

HOME | ABOUT IIG | SEMINARS & CONFERENCES | Journal | PUBLICATIONS | MEMBERSHIP | CONTACT

Transaction – Contents Vol. 45 – 2

Author	Name of the paper	Link
Aditya Mohanty	Decoding the differential spaces of the smart city	Download
Roohi Rawat, Avijit Sahay, Amrita Bajaj	Re-examining the status of public open spaces for achieving smart city goals in Prayagraj, India: Reality versus expectations	Download
Shrabana Mazumder	Socio-economic sustainability of urban and peri-urban agriculture in Kolkata Metropolitan Area: A criteria and indicator approach	Download
Deepak Moda and Mehtab Singh	Performance assessment of MGNREGA-2005 in Haryana: An inter-district analysis	Download
Tamali Halder and Priyank Pravin Patel	An appraisal of housing quality of living in Durgapur: A spatial approach	Download
Chandra Bhan and Pankaj Kumar	Formation of river cliffs is a necessary prelude for the development of ravines: A discussion	Download
Jonmenjoy Barman, David Durjoy Lal Soren, Sushila Roy, Koduru Srinivasa Rao and Brototi Biswas	Preference Selection Index and Geospatial Technique for Groundwater Potentiality Zonation in Aizawl district, Mizoram, India	Download
Manish Kumar, Swati Thakur*, Ankur Yadav, Akash Tiwari, Tamanna and Dinesh Kumar Tripathi	Assessment of the long term change in climatic variables and future prediction using coupled statistical-machine learning techniques for Haryana, India	Download
Venkatesan Madha Suresh and Ibrahim Lawal Kane, Nigeria	Systematic true trend detection based on homogeneity analysis: Application to rainfall time series for Thiruvallur district, Tamil Nadu, India	Download
Alok Kumar Dubey*, Firdaus Fatima Rizvi and Akash Tiwari,	Detection and prediction of LULC change matrix in Gaya city using CA-Markov chain model	Download
Sourav Mukherjee* and Deb Prakash Pahari	Opencast coal mining induced land use land cover change: A case study of Pandabeswar block, West Bengal, India through images available from Google Earth	Download
Monali Biswas*, Debasis Ghosh and Puja Saha	Soil formation under the influence of topography, climate and weathering in the rocky terrain of the Purulia district of West Bengal	Download
R. G. Jaybhaye, Yogesh Kadam, Pravin Kokane*	GIS based study of burglary crime incidences in Ahmednagar City, Maharashtra, India	Download

A collaborative research work entitled 'Assessment of the long-term change in climatic variables and future prediction using coupled statistical-machine learning techniques for Haryana, India' published in 'Transactions' Vol.45 No.2,2023 (ISSN 0970- 9851). This research was carried out by Prof. D.K.Tripathi (Principal , Rana Pratap Postgraduate College, Sultanpur) with researchers of Central University of Haryana and Delhi University. The 'Transactions' is the Scopus Indexed biannual journal of the Institute of Indian Geographers (IIG), Department of Geography, Savitribai Phule Pune University. In this research a long-term spatiotemporal rainfall trends (1901 - 2020) during different seasons investigated for Haryana state using gridded rainfall data from the India Meteorological Department. Mann Kendall Test (MK) and Sen's slope are used to calculate the magnitude of change. It was observed that the western part of the state experienced a significant decrease in annual rainfall in sharp contrast to its eastern counterpart that shows an increase. Over 82 percent of the districts received decreasing rainfall during the monsoon while pre-monsoonal rainfall recorded a significant increase. The predicted rainfall by 2050 is further to decrease by 3.13 percent along with the increase of mean temperature to 1.13 degrees during 2020 to 2050. The reduction is much higher in monsoon with potential impact on kharif cropping.

सुलतानपुर जनपद में भूमि अपरदन समस्या पर हो रहा है उच्च स्तरीय रिसर्च

गोमती नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में स्थित सुलतानपुर जनपद में मिट्टी का कटाव एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या है , जिसके कारण लगातार कृषि भूमि उत्पादकता एवं उपलब्ध जल की गुणवत्ता में कमी आ रही है। जनपद की लगभग 93 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है एवं अपनी आजीविका कृषि संसाधनों से ही प्राप्त करती है। इस जनपद के संपूर्ण भूमि का लगभग 70% उपयोग कृषि के लिए ही किया जाता है, जबकि शेष लगभग 30% भाग जंगल , गैर कृषि अवसंरचना,परती, बंजर, अनुपयुक्त भूमि , चारागाह, झाड़ियों और बगीचों इत्यादि से आच्छादित है। जलीय मिट्टी का कटाव, मानवजनित मिट्टी के नैसर्गिक उर्वरता की हानि, वनों की कटाई, क्षारीयता/लवणता, जलभराव, अवैज्ञानिक कृषि पद्धतियां आदि सुलतानपुर जनपद की प्रमुख कृषि-पारिस्थितिकी समस्याएं हैं। कृषकों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं साक्षरता के निम्न स्तर, प्राकृतिक संसाधनों के अविवेकपूर्ण उपयोग और अवैज्ञानिक प्रबंधन आदि आदि जनपद में भूमि क्षरण प्रक्रियाओं को गति प्रदान कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने जनपद के 6.19% क्षेत्र को गंभीर अवनयन समस्या से ग्रस्त क्षेत्र के रूप में रिपोर्ट किया है। इस गंभीर अवनयन समस्या से ग्रस्त भूमि का भी लगभग 60% भाग खेती के ही अधीन है। यह तथ्य न केवल जनपद के अवनयन समस्या से ग्रस्त भूमियों पर निवास करने वाले ग्राम वासियों में पर्यावरण चेतना की कमी को प्रदर्शित करता है वरन भूमि की गुणवत्ता में निरंतर गिरावट से हो रहे नुकसान के बाद भी खेती करने की उनकी बाध्यता का भी संकेत करता है। जनपद में भूमि अवनयन की इसी समस्या पर उच्च स्तरीय रिसर्च के लिए उच्च शिक्षा विभाग,उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत शोध परियोजना **'Remote Sensing and GIS Based Modelling of Land Degradation for Agricultural Sustainability in Sultanpur District, Uttar Pradesh'** पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी.के.त्रिपाठी द्वारा शोध कार्य किया जा रहा है। इस उच्च स्तरीय शोध कार्य में रिमोट सेंसिंग, जियोग्राफिक इनफार्मेशन सिस्टम एवं मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। प्राचार्य प्रोफेसर डी.के.त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में सतत कृषि विकास एवं पर्यावरण अवनयन की समस्या के निवारण में यह शोध कार्य महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। अप्रैल 2024 तक इस शोध परियोजना की रिपोर्ट उच्च शिक्षा विभाग,उत्तर प्रदेश सरकार को प्रस्तुत कर दी जाएगी।

GLIMPSE OF COLLEGE